कर उग्र करते हुए लाठी, डण्डे, ईंट पत्थर से सरकारी

ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

उसका निकाह आफरीन बानो से बड़

क्राइम सीन मैनेजमेंट कोर्स का तीसरा बैच सम्पन्न

एडीजी बोले घटनास्थल पर अपराधी साक्ष्य जरूर छोड़ता है, चूक हमारी पहचान में होती है

लखनऊ(वरिष्ठ संवाददाता)। सरोजनीनगर स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस में 42-

दिनों तक चले क्राइम सीन मैनेजमेंट प्रशिक्षण का गुरुवार को समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडीजी तकनीकी सेवाएं नवीन अरोरा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर अपराध स्थल पर अपराधी कोई न कोई सुराग जरूर छोड़ता है, लेकिन पुलिस की ओर से साक्ष्य संकलन में होने वाली मामूली चूक केस को कमजोर कर देती है। साक्ष्य संकलन में सावधानी की हिदायत-नवीन अरोरा ने पुलिसकर्मियों को सचेत करते हुए कहा, अगर हम घटनास्थल और साक्ष्य संकलन की सही जानकारी नहीं रखेंगे, तो हम खुद घटनास्थल के लिए खतरा बन सकते हैं। असावधानीवश हम अपना ही फिंगरप्रिंट, बाल या पसीना वहां छोड़ सकते हैं, जिससे जांच प्रभावित हो सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि घटनास्थल पर जाने से पहले यह जानना जरूरी है कि वहां क्या नहीं करना है। उन्होंने प्रॉपर किट, ग्लव्स, मास्क और हेयर कवर के अनिवार्य उपयोग की सलाह दी। 105-पुलिस अधिकारियों ने लिया हिस्सा। इस विशेष प्रशिक्षण कोर्स में प्रदेश के विभिन्न कमिश्नरेट और जनपदों से आरक्षी से लेकर निरीक्षक रैंक के कुल 105-पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। छह सप्ताह तक चले इस पाठ्यक्रम में विषय विशेषज्ञों ने क्राइम सीन मैनेजमेंट के साथ-साथ साइबर सुरक्षा और फॉरेंसिक साइंस के नवीनतम विषयों का गहन अध्ययन कराया। ज्ञान का प्रसार करने की अपील-एडीजी ने आशा व्यक्त की कि प्रशिक्षित पुलिसकर्मी अपने जनपदों में जाकर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में वर्कशॉप आयोजित करेंगे और अन्य कर्मियों को भी प्रशिक्षित करेंगे। आईजी श्री राजीव मल्होत्रा ने कोर्स पूरा करने वाले अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि इस संस्थान से हासिल किया गया ज्ञान तभी सफल होगा, जब इसका उपयोग धरातल पर अपराधियों को सजा दिलाने में किया जाएगा।

सम्मान और उपस्थिति

कार्यक्रम के दौरान यूपीएसआईएफएस के आईजी राजीव मल्होत्रा और डीआईजी हेमराज मीना ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी संतोष तिवारी ने किया। इस अवसर पर उप निदेशक जितेन्द्र श्रीवास्तव, अतुल यादव, डॉ. नताशा समेत संस्थान के कई शैक्षणिक सदस्य और अधिकारी उपस्थित रहे।

UPSIFS में क्राइम सीन मैनेजमेन्ट कोर्स के तीसरे बैच का प्रशिक्षण सकुशल संपन्न

❖घटनास्थल पर अपराधी कहीं न कहीं साक्ष्य जरुर छोड़ता है : नवीन अरोरा IPS

संवाददाता

लखनऊ। पुलिस महानिदेशक उत्तर उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ में क्राइम सीन मैनेजमेन्ट कोर्स पूर्ण होने के उपरांत आज समापन किया गया जिसके मुख्य अतिथि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्री नवीन अरोरा अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं उत्तर प्रदेश थे । जिन्हें यूपीएसआईएफएस के महानिरीक्षक श्री राजीव मल्होत्रा एवं उप महानिरीक्षक श्री हेमराज मीना ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस कोर्स में प्रदेश के विभिन्न कमिश्नरेट एवं जनपदो से आरक्षी से लेकर निरीक्षक रैंक के कुल 105 पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभाग किया था 7 उल्लेखनीय है कि 42 दिवस तक चले इस कोर्स मे विषय विशेषज्ञों द्वारा क्राइम सीन मैनेजमेन्ट की बारीकियो सहित साइबर एवं फोरेंसिक विषयों का भी गहन अध्ययन कराया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नवीन अरोरा ने सभागार में उपस्थित समस्त प्रशिक्षणार्थियों एवं शैक्षणिक संवर्ग के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश इस प्रशिक्षण को लेकर बेहद गंभीर है इसलिए इस कोर्स को वरिष्ठ अधिकारियों ने बड़े ही मंथन करने के बाद सरल और ग्राह्य बनाया ताकि आप इसको समझ कर आसानी से कार्य कर सकें। मुझे उम्मीद है कि आप सभी ने लगन एवं परिश्रम के साथ इस कोर्स को किया है। मैं यह भी आशा करता हूं कि जनपदों अपने यूनिट्स में जाकर के अपने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में इस विषय पर वर्कशॉप कर के अन्य कर्मियों को भी प्रशिक्षित करेंगें ताकि क्राइम सीन मैनेजमेंट विषय पर अन्य का भी ज्ञानवर्धन और कार्य क्षमता बढ़ सके। उन्होंने प्रशिक्षण बेहतर ढंग से पूर्ण कराने पर संस्थापक निदेशक डॉ जी के गोस्वामी का आभार भी वयक्त किया।

श्री नवीन अरोरा ने यह भी कहा कि ये सच है कि घटनास्थल पर अपराधी कहीं न कहीं साक्ष्य जरुर छोड़ता है तो हम साक्ष्य को उठाने में कहाँ चूकते हैं? साक्ष्य को उठाने में कहाँ गलतियां करते हैं? जिसके कारण अपराध को सुलझाने में कठिनाई आती है। अगर हम घटनास्थल और साक्ष्य संकलन के बारे में खुद जानकार नहीं बनेंगे तो हम घटनास्थल के लिए खुद खतरा बन सकते हैं क्योंकि असावधानी में हम कही अपना ही फिंगर प्रिन्ट, हेयर, पसीना आदि न छोड़ दें, इसका ध्यान अवश्य रखा जाये। उन्होंने कहा कि इसलिए सबसे पहले ये जानना जरुरी है की घटना स्थल पर हमें क्या नहीं करना है? उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर साक्ष्य उठाने के लिए प्रॉपर ढंग से किट का प्रयोग कर ग्लव्स, मास्क, हेयर कवर आदि प्रयोग अवश्य करें। श्री अरोरा ने यह भी कहा कि आप सभी प्रशिक्षण के सम्बन्ध में फीड बैक अवश्य दें ताकि कोर्स को और अधिक बेहतर बनाया जा सके।

इस अवसर पर महानिरीक्षक श्री राजीव मल्होत्रा ने कोर्स पूर्ण करने की बधाई देते हुए कहा कि आप सभी ने इस संस्थान से जो भी ज्ञान हासिल किया है उसका उपयोग अपने जनपदों में अवश्य कीजियेगा तभी इस संस्थान की मेहनत सफल होगी और आप कभी भी इस संस्थान से सहयोग ले सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में उप महानिरीक्षक श्री हेमराज मीना ने सभागार में उपस्थित समस्त अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया । कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी श्री संतोष तिवारी ने किया। इस अवसर पर उप निदेशक श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव ने छः सप्ताह तक चले इस कोर्स से सम्बंधित विषयों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उप निदेशक,श्री अतुल यादव, डॉ0 नताशा, विवेक कुमार, डॉ वाष्णेय, डॉ पोरवी सिंह, डॉ पलक, श्री गिरिजेश राय, उप निरीक्षक श्री शैलेन्द्र सिंह, एवं कार्तिकेय सहित अन्य उपस्थित रहे।

साक्ष्य संकलन में हुई छोटी-छोटी गलतियां जांच को प्रभावित कर देती हैं: नवीन अरोरा

यूपीएसआईएफएस में 42 दिवसीय क्राइम सीन मैनेजमेंट कोर्स का समापन

लखनऊ (जनसंदेश टाइम्स)। सरोजनीनगर स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) में 42 दिवसीय क्राइम सीन मैनेजमेंट कोर्स का गुरुवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं) वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी नवीन अरोरा रहे। जिन्हें संस्थान के महानिरीक्षक राजीव मल्होत्रा और उप महानिरीक्षक हेमराज मीना ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न कमिश्नरेट और जिलों से आरक्षी से लेकर निरीक्षक रैंक तक के कुल 105 पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। छह सप्ताह तक चले इस कोर्स में विषय विशेषज्ञों द्वारा क्राइम सीन मैनेजमेंट की बारीकियों के साथ-साथ साइबर और फॉरेंसिक विषयों पर गहन प्रशिक्षण दिया गया। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नवीन अरोरा ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि पुलिस महानिदेशक इस तरह के प्रशिक्षण को लेकर गंभीर हैं, इसलिए कोर्स को सरल और व्यावहारिक बनाया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी प्रतिभागी अपने-अपने जिलों में जाकर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्यशालाएं आयोजित करेंगे, जिससे अन्य पुलिसकर्मियों को भी इस विषय की जानकारी मिल सके। महानिरीक्षक राजीव मल्होत्रा ने प्रतिभागियों से कहा कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का उपयोग अपने-अपने क्षेत्रों में करें, तभी संस्थान की मेहनत सार्थक होगी। कार्यक्रम के अंत में उप महानिरीक्षक हेमराज मीना ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

घटनास्थल पर अपराधी कहीं न कहीं साक्ष्य जरुर छोड़ता है : नवीन अरोरा

लखनऊ। पुलिस महानिदेशक उत्तर उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ में 'क्राइम सीन मैनेजमेन्ट' कोर्स पूर्ण होने के उपरांत आज समापन किया गया जिसके मुख्य अतिथि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी नवीन अरोरा अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं उत्तर प्रदेश थे।

जिन्हें यूपीएसआईएफएस के महानिरीक्षक श्री राजीव मल्होत्रा एवं उप महानिरीक्षक श्री हेमराज मीना ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस कोर्स में प्रदेश के विभिन्न कमिश्नरेट एवं जनपदो से आरक्षी से लेकर निरीक्षक रैंक के कुल 105 पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभाग किया था। उल्लेखनीय है कि 42 दिवस तक चले इस कोर्स मे विषय विशेषज्ञों द्वारा क्राइम सीन मैनेजमेन्ट की बारीकियो सहित साइबर एवं फोरेंसिक विषयों का भी गहन अध्ययन कराया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवीन अरोरा ने सभागार में उपस्थित समस्त प्रशिक्षणार्थियों एवं

शैक्षणिक संवर्ग के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश इस प्रशिक्षण को लेकर बेहद गंभीर है इसलिए इस कोर्स को वरिष्ठ अधिकारियों ने बड़े ही मंथन करने के बाद सरल और ग्राह्य बनाया ताकि आप इसको समझ कर आसानी से कार्य कर सकें। मुझे उम्मीद है कि आप सभी ने लगन एवं परिश्रम के साथ इस कोर्स को किया है। मैं यह भी आशा करता हूं कि जनपदों अपने यूनिट्स में जाकर के अपने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में इस विषय पर वर्कशॉप कर के अन्य कर्मियों को भी प्रशिक्षित करेंगें ताकि क्राइम सीन मैनेजमेंट विषय पर अन्य का भी ज्ञानवर्धन और कार्य क्षमता बढ़ सके 7 उन्होंने प्रशिक्षण बेहतर ढंग से पूर्ण कराने पर संस्थापक निदेशक डॉ जी के गोस्वामी का आभार भी वयक्त किया। श्री नवीन अरोरा ने यह भी कहा कि ये सच है कि घटनास्थल पर अपराधी कहीं न कहीं साक्ष्य जरुर छोड़ता है तो हम साक्ष्य को उठाने में कहाँ चूकते हैं?

साक्ष्य को उठाने में कहाँ गलतियां करते हैं ? जिसके कारण अपराध को सुलझाने में कठिनाई आती है। अगर हम घटनास्थल और साक्ष्य संकलन के बारे में खुद जानकार नहीं बनेगे तो हम घटनास्थल के लिए खुद खतरा बन सकते हैं क्योंकि असावधानी में हम कही अपना ही फिंगर प्रिन्ट, हेयर, पसीना आदि न छोड़ दें, इसका ध्यान अवश्य रखा जाये।

उन्होंने कहा कि इसलिए सबसे पहले ये जानना जरुरी है की घटना स्थल पर हमें क्या नहीं करना है? उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर साक्ष्य उठाने के लिए प्रॉपर ढंग से किट का प्रयोग कर ग्लव्स, मास्क, हेयर कवर आदि प्रयोग अवश्य करें। श्री अरोरा ने यह भी कहा कि आप सभी प्रशिक्षण के सम्बन्ध में फीड बैक अवश्य दें ताकि कोर्स को और अधिक बेहतर बनाया जा सके।

105 पुलिस अफसरों को साक्ष्य संकलन की बारीकियों का प्रशिक्षण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। पुलिस महानिदेशक ने निर्देशन में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ में 'क्राइम सीन मैनेजमेन्ट' कोर्स पूर्ण होने और

■ घटनास्थल पर अपराधी कहीं न कहीं साक्ष्य जरुर छोड़ता है : नवीन अरोरा

समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी नवीन अरोरा अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं उत्तर प्रदेश का यूपीएसआईएफएस के महानिरीक्षक राजीव मल्होत्रा एवं उप महानिरीक्षक हेमराज मीना ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस कोर्स में प्रदेश के विभिन्न कमिश्नरेट एवं जनपदो से आरक्षी से लेकर निरीक्षक रैंक के कुल 105 पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभाग किया था। 42 दिवसीय

प्रशिक्षण में कोर्स में विषय विशेषज्ञों द्वारा क्राइम सीन मैनेजमेन्ट की बारीकियो सहित साइबर एवं फोरेंसिक विषयों का भी गहन अध्ययन कराया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवीन अरोरा ने सभागार में उपस्थित समस्त प्रशिक्षणार्थियों एवं शैक्षणिक संवर्ग के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश इस प्रशिक्षण को लेकर बेहद गंभीर है इसलिए इस कोर्स को वरिष्ठ अधिकारियों ने बड़े ही मंथन करने के बाद सरल और ग्राह्य बनाया ताकि आप इसको समझ कर आसानी से कार्य कर सकें। मुझे उम्मीद है कि आप सभी ने लगन एवं परिश्रम के साथ इस कोर्स को पूर्ण किया और मैं आशा करता हूं कि जनपदों अपने यूनिट्स में जाकर के अपने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में इस विषय पर वर्कशॉप कर के अन्य कर्मियों को भी प्रशिक्षित करेंगें। उन्होंने प्रशिक्षण बेहतर ढंग से पूर्ण कराने पर संस्थापक निदेशक डॉ जी के गोस्वामी का आभार भी वयक्त करते हुए कहा कि ये सच है कि घटनास्थल पर अपराधी कहीं न कहीं साक्ष्य जरुर छोड़ता है तो हम साक्ष्य को उठाने में कहाँ चूकते हैं? साक्ष्य को उठाने में कहाँ गलतियां करते हैं? जिसके कारण अपराध को सुलझाने में कठिनाई आती है। इस अवसर पर महानिरीक्षक राजीव मल्होत्रा ने कोर्स पूर्ण करने की बधाई देते हुए कहा कि आप सभी ने इस संस्थान से जो भी ज्ञान हासिल किया है उसका उपयोग अपने जनपदों में अवश्य करें। कार्यक्रम के अंत में उप महानिरीक्षक हेमराज मीना ने सभागार में उपस्थित समस्त अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी संतोष तिवारी ने किया। इस अवसर पर उप निदेशक जितेन्द्र श्रीवास्तव ने छः सप्ताह तक चले इस कोर्स से सम्बंधित विषयों पर प्रकाश डाला इस अवसर पर उप निदेशक अतुल यादव, डॉ. नताशा, विवेक कुमार, डॉ वाष्णेय, डॉ पोरवी सिंह, डॉ पलक, गिरिजेश राय, उप निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह समेत कार्तिकेय सहित अन्य उपस्थित रहे।

घटनास्थल पर अपराधी जरूर छोड़ता है साक्ष्य : नवीन अरोरा

राब्यू, जागरण ● लखनऊ : पुलिस तकनीकी सेवा के अपर पुलिस महानिदेशक नवीन अरोड़ा ने कहा कि अपराधी घटना स्थल पर कोई न कोई साक्ष्य जरूर छोड़ता है। उप्र स्टेट इंस्टीट्यूट आफ फारेंसिक साइंस (यूपीएसआइएफएस) के महानिरीक्षक राजीव मल्होत्रा ने बताया कि संस्थान में पुलिस अधिकारियों को क्राइम सीन प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गुरुवार को 105 पुलिस अधिकारियों को 42 दिन का प्रशिक्षण समाप्त होने पर समारोह में उन्हें क्राइम सीन प्रबंधन की बारीकियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पुलिस अधिकारी अब अपने तैनाती स्थल पर सहयोगियों को क्राइम सीन प्रबंधन के गुर सिखाएंगे, जिससे सही अपराधी को पकड़ने में मदद मिलेगी।